18 अपना चारूकात देखू।

अभिनय 4

0337CH18

विदूषक : जहिना सूनब आ अखियासब केर अन्तर पर चर्चा केलौं तहिना आब हमसभ अवलोकन पर चर्चा करए जा रहल छी। '**अवलोकन**' भेल किछु कैं लग सँ देखबाक प्रक्रिया वा ध्यान सँ देखब, जाहि सँ बेसी जनतब भऽ जाय। ई देखब सँ अलग अछि। अहाँ अपन विद्यालय केर मार्ग मे बहुत लोक कैं देखैत छियैक। मुदा अहाँ एक व्यक्तिक गतिविधि आ व्यवहार केर अवलोकन करैत छी। जखन अहाँ कोनो व्यक्ति, परिस्थिति अथवा गतिविधि पर बेसी किछु बुझक हेतु ध्यान दैत छियैक तँ तखन अहाँ 'अवलोकन' कऽ रहल छी।

© NCERT not to be republished

एकटा अभिनेताक अपना चारूकात देखि कऽ आ अवलोकन कऽ क' बहुत किछु सिखैत रहैत अछि। अपनासभ एखन धरि अपन मोनक रचनात्मकताक आधार पर काज कएलहुँ अछि । मुदा आब अपना चारूकातक परिस्थितिसँ रचनात्मकता आ प्रेरणाक खोज करब।

अहाँ सीखब

विचारमे स्पष्टता, रचनात्मकता, बाजबमे आत्मविश्वास, खिस्सा सुनाएब, प्रश्न करब, अवलोकन, स्थानीय रङ्गमञ्च, परम्परा आदि।

दृश्य 7—खिस्सा गढ़ब

गतिविधि 12 अवलोकन आ खिस्सा-पिहानी

अपन परिवेशक लोकक अवलोकन करू। जेना की – घरक बगलबला दोकानबला, दूधबला, अहाँक बाबू आओर भनसाघरमे भोजन बनबैत माए छथि।

एकटा व्यक्तिकेँ चुनि कऽ 2-3 दिन ओकर अवलोकन करु आओर ओकर व्यवहारक अध्ययन करु, ओकर एकटा नोट बनाउ, जे ओ कोना चलैत आ बजैत अछि, ओ कोनो समान (अहाँक बुझक हेतु ओ प्रॉप भेल) केर उपयोग कोना करैत अछि? कोन प्रकारक कपड़ा पहिरब ओकरा पसीन छैक, ओकर अपन एकदम अलग आ विशिष्ट क्रिया-कलाप की सभ अछि, आदि।

एकटा खिस्सा सोचू

साधारण

कोनो व्यक्तिक विषयमे सरल विवरण। एकर बाद ओहि व्यक्तिक सङ्ग केन्द्रीय पात्रक रूपमे एकटा कथा सुनाओल जाइत अछि (ई एकटा काल्पनिक भऽ सकैत अछि)।

विशिष्ट

ओहि व्यक्तिक अवलोकनमे अहाँ ओकर विशेषतासभ (भावना प्रस्तुति, काज करबाक तरीका, देह-भाषा, कपड़ा पहिरब आ बात करब) केर उपयोग करैत ओकर अभिनय।

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- गतिविधिक कोन भाग केर अहाँ सभसँ बेसी आनन्द लेलहुँ? आ किए?
- अहाँक अपन अवलोकन उपयोगी बुझा रहल अछि?
- अहाँकेँ ओहि व्यक्ति सँ जुड़ाव बुझाएल जकर अहाँ अवलोकन कऽ रहल छलहुँ?
- अपना सम्बन्धमे अहाँ एकटा नब बात की सिखलहुँ?

वृत्तकाल टिप्पणी

ओ सब केँ थिकाह? ओ की कए रहल छथि?

चित्रक अवलोकन करू आ जे भऽ रहल अछि ओकर एकटा सरल कथा गढ़ू। एकरा कक्षामे सबकेँ बताउ।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 13 चित्रसँ कथा कहब

आवश्यकता वस्तु — नयनाभिरामी चित्र, जे छात्रसभ द्वारा दृश्य कलाक कक्षामे तैयार कएल गेल ओ चित्र सेहो भऽ सकति अछि।

निर्देश - शिक्षक जे चित्र देखा रहल छथि ओकरा देखू। चित्रक ध्यानसँ अवलोकन करू। अहाँकेँ अपन अवलोकनक आधारपर, देह-मुद्रा आ अभिव्यक्तिक उपयोग करैत एकटा खिस्सा गढ़ि कऽ सुनबए पड़त।

एकटा चित्रक कथा गढ़ू

साधारण

कोनो वस्तु वा जीव (गाछ, बर्तन, बिलाड़ि आदि) केर एकटा सरल चित्रक प्रयोग कऽ ओकरा विषयमे एकटा खिस्सा कहू।

विशिष्ट

दूटा चित्रकेँ जोड़ि कऽ एकटा कोनो नूतन कथा (कक्षाक कोनो प्रयुक्त आ उपलब्ध चित्र सँ) गढ़ू। जेना की उपरोक्त चित्र जकाँ, एकटा बिलाड़िक कथाकेँ माछसँ जोड़ू।

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिय

- गतिविधिक कोन भागकेँ अहाँ सभसँ बेसी आनन्द लेलहुँ? आ से किए?
- अहाँ एहि गतिविधिक उपयोग आओर कत्तहुँ कए सकैत छी?
- अपना सम्बन्धमे अहाँ एकटा नब बात की सिखलहुँ?

वृत्तकाल टिप्पणी

अहाँकेँ आब अपना लग-पासक सभ स्थान पर कथाक हेतु विचार भेटि सकति अछि। ई की प्रेरणादायी नहि अछि? सदिखन अपना सङ्ग कोनो नोटबुक राखू। कारण जखन कखनो कोनो रोचक व्यक्ति, वस्तु अथवा परिस्थिति भेटत तऽ कथाक हेतु नब विचार टीप लेब। ओ अहाँक अगिला कथा बनि सकैत अछि! तेँ अपन चारूकातक सभ वस्तुकेँ उत्सुकता सँ देखू। गहन निरीक्षण कर'क एहि कलासँ अहाँकेँ संसारसँ बहुत किछु सीखक हेतु भेटत!

© NCERT not to be republished

दृश्य 8—सामुदायक रचनाशीलता

गतिविधि 14

जहिना अपनासभ अपन चारू कातक विचार केर कथा गढ़बाक हेतु उपयोग कएनाइ सीखि लेलहुँ, आउ ओहिना अपन चारूकातक रङ्गमञ्च केर आन शैली आ रूप की अछि से देखी। भारत कला आ संस्कृतिमे एतेक समृद्ध अछि जे अहाँकेँ प्रत्येक 100 किलोमीटर पर एकटा नब आ भिन्न कला रूप भेटत। एहन अछि अपन देशक विविधता आ समृद्धि! अपना राज्यसँ रङ्गमञ्चक कोनो शैली तकबाक प्रयास करू।

भाण्ड पाथेर, कश्मीर

माच, मध्य प्रदेश

अङ्किया नाट, असम

भावइ, गुजरात

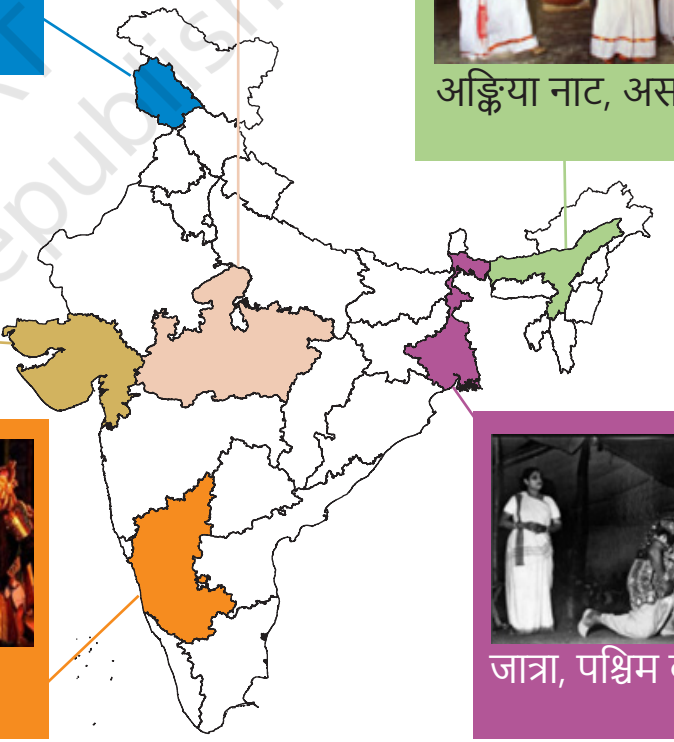

बयालटा, कर्नाटक

जात्रा, पश्चिम बङ्गाल

© NCERT not to be republished

अपन जिला आ ओकर चारूकात रङ्गमञ्च केर दू गोट प्रस्तुति परक शैली केर पहिचान करू। अहाँ अपन परिवार वा मित्रसँ अहाँक मदति करबाक हेतु कहि सकैत छियनि। नीचा एकर चित्र साटू आओर ओकर सभ प्रारूप हेतु तीन पङ्क्ति लिखू.

अहाँक राज्य आओर जिलाक नाम

एतय एकटा चित्र साटू अथवा चित्र बनाउ।

एतय एकटा चित्र साटू अथवा चित्र बनाउ।

© NCERT not to be republished